



Total No. of Printed Pages — 3

CCSME17
PAPER / पत्र – II
HINDI LANGUAGE AND LITERATURE
हिन्दी भाषा एवं साहित्य
SUBJECT CODE / विषय कोड : 03

220010**Full Marks : 150****Time : 3 Hours****पूर्णांक : 150****समय : 3 घण्टे****निर्देश :**

- (1) हाशिये में पूर्णांक दिए गए हैं।
- (2) प्रश्न-पत्र दो भागों में विभक्त हैं। भाग – A में कुल चार प्रश्न (प्रश्न सं. 1 से 4) एवं भाग – B में कुल चार प्रश्न (प्रश्न संख्या 5 से 8) हैं।
- (3) कुल छः (6) प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्न सं. 1 एवं प्रश्न सं. 5 का उत्तर देना अनिवार्य है।
- (4) अनिवार्य प्रश्न सं. 1 एवं प्रश्न सं. 5 के अन्तर्गत कुल सात-सात प्रश्न हैं। इन सात-सात प्रश्नों में से पाँच-पाँच प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है।
- (5) अनिवार्य प्रश्न सं. 1 एवं प्रश्न सं. 5 के अतिरिक्त प्रत्येक भाग में कम से कम एक एवं कुल चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

अंक**भाग – A**

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 7×5=35
 - (क) हिन्दी के विकास में अपभ्रंश के योगदान का आकलन कीजिए।
 - (ख) स्वतंत्रता आन्दोलन की अवधि में हुए हिन्दी के विकास का परिचय दीजिए।
 - (ग) देवनागरी लिपि के विकास पर प्रकाश डालिए।
 - (घ) विश्व पटल पर हिन्दी के सफल प्रयोग की संभावनाएँ बढ़ गई हैं। इस कथन की पुष्टि कीजिए।



- (ड) काव्य हेतुओं के महत्त्व और उपयोगिता पर विचार कीजिए।
- (च) प्रयोजनमूलक हिन्दी के प्रासंगिकता पर विचार कीजिए।
- (छ) कारक के विभिन्न भेदों का उल्लेख करते हुए इसे उदाहरणों द्वारा स्पष्ट कीजिए।
2. (क) “हिन्दी और उसकी क्षेत्रीय बोलियों के अन्तर्संबंध से जो राष्ट्रीय एकता स्थापित हुई है, वह अद्वितीय है।” इस कथन की मीमांसा कीजिए। 10
- (ख) ‘साधारणीकरण’ से तात्पर्य स्पष्ट करते हुए आचार्य रामचंद्र शुक्ल के साधारणीकरण से संबंधित चिंतन पर प्रकाश डालिए। 10
3. (क) संधि और समास में अंतर स्पष्ट करते हुए संधि के विभिन्न भेदों को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। 10
- (ख) शब्द शक्ति से क्या तात्पर्य है? इसके विभिन्न भेदों की परिभाषा देते हुए सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 10
4. (क) जनसंचार के क्षेत्र में प्रयुक्त हिन्दी के स्वरूप पर विचार कीजिए। 10
- (ख) राजभाषा के रूप में हिन्दी के प्रयोग की वर्तमान स्थिति पर विचार डालिए। 10

भाग -B

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 7×5=35
- (क) हिन्दी में साहित्येतिहास लेखन की परंपरा एवं महत्त्व पर प्रकाश डालिए।
- (ख) आचार्य रामचंद्र शुक्ल द्वारा किया गया हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल-विभाजन कितना प्रासंगिक है? सप्रमाण उत्तर लिखिए।
- (ग) आदिकालीन साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।
- (घ) भक्तिकाल को हिन्दी साहित्य का स्वर्णयुग क्यों माना जाता है? विचार कीजिए।
- (ड) प्रगतिवादी कविताओं की विशेषताओं को बताइए।
- (च) हिन्दी के यात्रा-वृत्तांत की विकास यात्रा पर प्रकाश डालिए।
- (छ) हिन्दी साहित्य में दलित विमर्श पर एक निबंध लिखिए।



6. (क) “कबीर बाणी के डिक्टेटर थे”, इस पंक्ति के आलोक में कबीर की भाषा पर विचार कीजिए। 10
- (ख) “प्रेमचंद के उपन्यास भारतीय कृषक जीवन के सच्चे दस्तावेज हैं।” इस कथन की सार्थकता पर विचार कीजिए। 10
7. (क) ‘राम की शक्तिपूजा’ में निराला के आत्मसंघर्ष की भी व्यथा-कथा है। सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 10
- (ख) छायावादोत्तर काव्य की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 10
8. (क) सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 5×2=10
- (I) जीवन मुँहचाही को नीको,
दरस परस दिन रात करति है कान्ह पियारे पी को।
नयनन मूँदि-मूँदि किन देखौ बँहयो ज्ञान पोथी को।
आछे सुन्दर स्याम मनोहर और जगत सब फीको।
‘सुनो जोग को का लै कीजै जहाँ ज्ञान ही जीको?’
खाटी मही नहीं रुचि मानै सूर खवैया घी को॥
- (II) ‘मृत्यु से कुछ समय पहले स्मृति बहुत साफ हो जाती है। जन्मभर-की घटनाएँ एक-एक करके सामने आती हैं। सारे दृश्यों के रंग साफ़ होते हैं। समय की धुँध बिल्कुल उन पर से हट जाती है।’
- (ख) हिन्दी कविता में आदिवासी विमर्श पर एक निबंध लिखिए। 10

★ ★ ★